अंग्रेजी कवि निसीम इजेकिल की जन्मशताब्दी पर दो दिवसीय संगोष्ठी

साहित्य अकादमी, दिल्ली ने 1 अगस्त को प्रसिद्ध भारतीय अंग्रेजी कवि निसीम इजेकिल की जन्मशताब्दी पर दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया। संगोष्ठी का आरंभिक वक्तव्य साहित्य अकादमी की अंग्रेजी भाषा की संयोजक मालाश्री लाल ने दिया और उद्घाटन वक्तव्य एमएमआईएएस की सहनिदेशक निलोफर भरूचा ने प्रस्तुत किया। स्वागत वक्तव्य साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने दिया। आरंभिक वक्तव्य देते हुए मालाश्री लाल ने कहा कि निसीम इजेकिल ने भारतीय अंग्रेजी कविता को नई दिशा दी। उनकी कविता ने भारतीय अंग्रेजी कविता पर गहरा प्रभाव डाला जो बहुविद् और बहुआयामी था। उद्घाटन वक्तव्य देते हुए निलोफर भरूचा ने निसीम इजेकिल के पढ़ाने के रोचक तरीकों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि निसीम इजेकिल ने अल्पसंख्यकों के बारे

में भी गहरे भावनात्मक स्तर पर जाकर लिखा। उनको सच्चा मुंबईकर के रूप में याद करते हुए कहा कि वे मुंबई की संस्कृति से जुड़े अनेक पक्षों को अपनी कविता में लाते रहे हैं। प्रख्यात चित्रकार जतिन दास ने उनके साथ मुंबई में बिताए समय के संस्मरण प्रस्तुत किए। उद्घाटन सत्र में ही निसीम इजेकिल की बेटी कविता इजेकिल मेनडोंका द्वारा अपने पिता पर लिखी पुस्तक पर मालाश्री लाल से की गई बातचीत की रिकार्डिंग भी प्रस्तुत की गई। उद्घाटन सत्र के बाद दो अन्य सत्र अनीसुर रहमान एवं निलोफर भरूचा की अध्यक्षता में संपन्न हुए, जिसमें निसीम इजेकिल और अंग्रेजी में भारतीय कविता तथा श्रद्धांजलि और कविता-पाठ विषय पर प्रतिभागियों ने अपने विचार व्यक्त किए। इसमें सुदीप सेन, मंजू जैदका, विनीता अग्रवाल, राधा चक्रवर्ती और अंजना नाइरा देव ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन अकादेमी के उपसचिव कृष्णा किम्बहुने ने किया।